पीएम श्री केंद्रीय विधालय वायु सेना स्थल रजोकरी

मानक संचालन प्रक्रिया/ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के द्वारा केंद्रीय विद्यालय (KV) के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP)

परिचय

यह मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) केंद्रीय विद्यालयों (KV) को प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने में मार्गदर्शन करने के लिए तैयार की गई है। यह SOP राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है और इसका उद्देश्य छात्रों, कर्मचारियों और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

उद्देश्य

1. छात्रों, कर्मचारियों और आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
2. शैक्षिक प्रक्रिया में व्यवधान को कम से कम करना।
3. प्राकृतिक आपदाओं के लिए समय पर और प्रभावी प्रतिक्रिया की सुविधा प्रदान करना।
4. स्कूल समुदाय के भीतर आपदा तैयारी और जागरूकता को बढ़ावा देना।
5. स्थानीय प्राधिकरणों और आपातकालीन सेवाओं के साथ समन्वय करना।

भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ

प्राचार्य और प्रशासनिक कर्मचारी

- स्कूल आपदा प्रबंधन योजना को विकसित और कार्यान्वित करना।
- स्थानीय प्राधिकरणों और आपातकालीन सेवाओं के साथ समन्वय करना।

- नियमित प्रशिक्षण और ड्रिल्स सुनिश्चित करना।
- माता-पिता और समुदाय के साथ संचार बनाए रखना।

शिक्षक

- छात्रों को आपदा तैयारी और सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करना।
- आपात स्थिति और सुरक्षा ड्रिल के दौरान छात्रों का नेतृत्व करना।
- आपातकाल के दौरान प्राथमिक चिकित्सा और समर्थन प्रदान करना।
- आपदा के दौरान और बाद में रोल कॉल और जवाबदेही में सहायता करना।

छात्र

- सुरक्षा ड्रिल्स और शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेना।
- आपात स्थितियों और निकासी के दौरान निर्देशों का पालन करना।
- किसी भी खतरे या सुरक्षा चिंताओं की सूचना शिक्षकों या कर्मचारियों को देना।

सहायक कर्मचारी

- सुरक्षा उपकरण और आपातकालीन आपूर्ति के रखरखाव में सहायता करना।
- निकासी और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रयासों में समर्थन देना।
- स्कूल परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

संचार और समन्वय

- **घटना रिपोर्टिंग**: घटनाओं की रिपोर्टिंग और प्रतिक्रियाओं का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक प्रणाली स्थापित करें।
- **सूचना प्रसार**: छात्रों, कर्मचारियों और माता-पिता को समय पर सूचना का प्रसार सुनिश्चित करें।
- **समन्वय बैठकें**: आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए कर्मचारियों और स्थानीय प्राधिकरणों के साथ नियमित बैठकें आयोजित करें।
- **अंतर-एजेंसी सहयोग**: स्थानीय आपदा प्रबंधन एजेंसियों और आपातकालीन सेवाओं के साथ सहयोग करें।

निगरानी और मूल्यांकन

- **प्रदर्शन संकेतक**: आपदा प्रबंधन गतिविधियों की प्रभावशीलता की निगरानी के लिए संकेतक विकसित करें।
- **नियमित समीक्षा**: स्कूल आपदा प्रबंधन योजना और प्रक्रियाओं की नियमित समीक्षा करें।
- **प्रतिक्रिया तंत्र**: निरंतर सुधार के लिए एक प्रतिक्रिया तंत्र लागू करें।
- **रिपोर्टिंग**: प्रासंगिक प्राधिकरणों को आपदा प्रबंधन गतिविधियों पर नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

निष्कर्ष

केंद्रीय विद्यालयों में प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए सभी हितधारकों की सहभागिता से एक समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। इस SOP का पालन करके, स्कूल आपदा की तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ा सकते हैं, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित कर सकते हैं। निरंतर सुधार, प्रशिक्षण और सामुदायिक सहभागिता इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक हैं।